

---

# मनसा सेवा - 100

---

- »» \_ »» Twinkle, twinkle, little star,  
How I wonder what you are!  
Up above the world so high,  
Like a diamond in the sky.
- »» \_ »» When the blazing sun is gone,  
When he nothing shines upon,  
Then you show your little light,  
Twinkle, twinkle, all the night.
- »» \_ »» Then the traveler in the dark  
Thanks you for your tiny spark,  
How could he see where to go,  
If you did not twinkle so?
- »» \_ »» In the dark blue sky you keep,  
Often through my curtains peep  
For you never shut your eye,  
Till the sun is in the sky.
- »» \_ »» As your bright and tiny spark  
Lights the traveler in the dark,  
Though I know not what you are,  
Twinkle, twinkle, little star.
- 

>> कविता का आध्यात्मिक अर्थ- Star ब्रह्मा बाबा के लिए, Sun शिवबाबा के लिए है-

»» \_ »» **Twinkle, twinkle, little star,  
How I wonder what you are!  
Up above the world so high,  
Like a diamond in the sky.**

→ We all are twinkling stars, but still we wonder who we are ?

→ Beyond this world there is another world, where our Supreme Soul, souls' father live.. He shines like a diamond..

→ So we all souls need to practice become like that diamond.

■ There are many stones in the market, but everyone chooses the diamond as it shines..

► We need to make our soul pure & shine like that diamond.

→ एक तारा है, सितारा है जो चमक रहा है.. तुम कौन हो ये आश्चर्य है.. सितारा चमक रहा है आसमान में परन्तु वो है क्या? इस संसार से वो परे है.. इस संसार में नहीं है इतनी ऊंचाई में है जैसे की एक डायमंड.. एक हीरा है आकाश में..

»» \_ »» When the blazing sun is gone,  
When he nothing shines upon,  
Then you show your little light,  
Twinkle, twinkle, all the night.

→ जब वो सूर्य डूब जाता है, जब वो सूरज कुछ भी प्रकाश नहीं देता, जब संसार की रात्रि है, अंधकार है, और कलियुग है, चारों ओर अंधकार समाया हुआ है, जब भगवान् भी दिखाई नहीं दे रहा है, तब तुम अपना प्रकाश दिखाते हो सारी रात..

»» \_ »» Then the traveler in the dark  
Thanks you for your tiny spark,  
How could he see where to go,  
If you did not twinkle so?

→ तब एक राही जो की भटक गया है मार्ग, उसे समझ में नहीं आ रहा है जाना कहाँ है, वहां star उसको मार्ग दिखा रहा है..

→ यदि तुम ना चमकते, यदि तुम्हारी रोशनी, तुम्हारा प्रकाश, तुम्हारा आलोक ना होता तो वो राही, वो यात्री, वो पथिक ये नहीं जान पाता की जाना कहाँ है, क्योंकि रात है और सूरज है नहीं, सूरज डूब चुका है, तो इसका जैसे जीवन प्रकाश दे रहा है..

»» \_ »» In the dark blue sky you keep,  
Often through my curtains peep  
For you never shut your eye,  
Till the sun is in the sky.

→ तुम उस आकाश में रहते हो, और मेरे घर के, मेरे दरवाजे, मेरे कमरे के जो परदे हैं उसमें से झांक कर मुझे देखते हो..

→ जब तक वो परमात्मा, वो सूरज आकाश में नहीं आ जाता, तब तक तुम मुझे देखते रहते हो, मेरा ध्यान रखते हो, संभाल करते हो मेरी..

»» \_ »» As your bright and tiny spark  
Lights the traveler in the dark,  
Though I know not what you are,  
Twinkle, twinkle, little star

→ वो जो यात्री है, जैसे उसको प्रकाशित करता है, फिर भी मुझे पता नहीं तुम हो कौन?

→ हे प्रकाश, हे सितारे तुम हो कौन मैं तुम्हे जानता नहीं परन्तु हां तुम इस संसार से परे हो.. और जो भटके राही हैं इस धरती के उन्हें प्रकाश देने वाले हो..

---